ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट

वर्ष - 06 अंक - 73

सहयोग शुल्क : रु.1 / जनवरी 2023

दिव्यांग सेतु

संपादक : मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८ प.पू.संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी

PENSION YOJANA

विकलांग पेन्शन योजना दिव्यागजनों को लाचारी और दयनीयता से उगारेगी ।
(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी)

विकलांग पेन्शन योजना ने दिव्यांगों को सम्मान प्रदान किया है ।
(मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८ प.पू.संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी)

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रलपाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटी से असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदनपत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाणपत्र/दस्तावेज

सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाणपत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाणपत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

दिव्यांगजनों को देश और समाज में प्रमुख धारा में सम्मिलित करने के लिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक एवं देश एवं अनेक सामाजिक संस्थान द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के लिए ऋण प्रदान करने की योजनाओं के साथ साथ दिव्यांगजनों के लिए सरकारने पेन्शन योजना लागू कर उन्हें लाचारी और दयनीय स्थिति से उगारने का प्रयास किया है । जरुरतमंद दिव्यांगजनों को पेन्शन योजना का लाभ मिले यह आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है, सरकार को इस दिशा में भी सही कदम उठाने के लिए हर जरुरतमंद दिव्यांग का डाटा अपने पास उपलब्ध रहे यह सुनिश्चित करना चाहिए । दिव्यांग पेन्शन योजना के लाभ से कोइ वंचित न रह जाए इसलिए इस पूरी प्रक्रिया को भी सरल करना होगा ।

स्पर्श जैसे दिव्यांग बच्चें केवल अपने परिवार ही नहीं पर सभी दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा का काम करते हैं । उनका हौसला केवल दिव्यांगजनों को ही नहीं लेकिन सभी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है ।सरकार और समाज का यह दायित्व है कि वह ऐसे बच्चों की बातों को या उनको रूबरु विभिन्न संगठनों तक पहूंचाकर लोगों को प्रेरित करना चाहिए ।

स्पर्श जैसे बच्चें जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं, विभिन्न सामाजिक संस्थाएं जो दिव्यांगजनों को सहायक होती है एवं सरकार की विकलांग पेन्शन योजना जो दिव्यांगजनों को लाचारी और दयनीय स्थिति से बचाती है उनके लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद ।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

जनवरी - 2022, पृष्ठ संख्या - 16

वर्ष - 6 अंक - 73

✦ प्रेरणास्त्रोत और संपादक ✦

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८

प.पू.संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी

✦ सह-संपादक ✦

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

✦ संपर्क-सूत्र ✦

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,

अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,

नया विकासगृह रोड, पालडी,

अहमदाबाद - ३८०००७

(मो.) 99749 55365, 9974955125

✦ मुद्रक ✦

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

विकलांग पेंशन योजना 2022

केंद्र सरकार द्वारा विकलांग पेंशन योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना के माध्यम से देश के दिव्यांग नागरिकों को प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अपना अपना योगदान दिया जाता है। केंद्र सरकार द्वारा ₹200 प्रति माह प्रति व्यक्ति का योगदान किया जाता है एवं राज्य सरकार शेष राशि प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत पेंशन प्रदान करने की न्यूनतम दर ₹400 प्रति माह है। अधिकतम राज्य द्वारा ₹500 रूपये प्रति माह की पेंशन लाभार्थियों को प्रदान की जाती है। यह राशि हर एक राज्य में अलग-अलग है। पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से वितरित की जाती है। इस योजना के माध्यम से देश के विकलांग नागरिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

योजना का नाम विकलांग पेंशन योजना

किसने आरंभ की : केंद्र सरकार
लाभार्थी : देश के विकलांग नागरिक
उद्देश्य : विकलांग नागरिकों को पेंशन प्रदान करना
वर्ष : 2022

वोइस टू दिव्यांग

विकलांग पेंशन योजना के लाभ तथा विशेषताएं

- केंद्र सरकार द्वारा विकलांग पेंशन योजना का शुभारंभ किया गया है।
- इस योजना के माध्यम से देश के विकलांग नागरिकों को प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती है।
- इस योजना के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अपना अपना योगदान दिया जाता है।
- केंद्र सरकार द्वारा ₹200 प्रति माह प्रति व्यक्ति का योगदान किया जाता है एवं राज्य सरकार शेष राशि प्रदान करती है।
- इस योजना के अंतर्गत पेंशन प्रदान करने की न्यूनतम दर ₹400 प्रति माह है।
- अधिकतम राज्य द्वारा ₹500 रूपत प्रति माह की पेंशन लाभार्थियों को प्रदान की जाती है।
- यह राशि हर एक राज्य में अलग-अलग है।
- पेंशन की राशि सीधे लाभार्थी के खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से वितरित की जाती है।
- इस योजना के माध्यम से देश के विकलांग नागरिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

विकलांग पेंशन योजना की पात्रता

- आवेदक राज्य का स्थाई निवासी होना चाहिए जहां से उसने आवेदन किया है।
- आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए।
- उम्मीदवार की अधिकतम आयु 59 वर्ष होनी चाहिए।
- आवेदक में न्यूनतम 40% डिसेबिलिटी होनी चाहिए।
- यदि आवेदक को किसी अन्य पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है तो वह इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है।
- आवेदक गरीबी रेखा से नीचे होना चाहिए।

विकलांग पेंशन योजना महत्वपूर्ण दस्तावेज

- आधार कार्ड
- बैंक पासबुक की छायाप्रति
- डोमिसाइल सर्टिफिकेट
- डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- आय प्रमाण पत्र
- निवास प्रमाण पत्र
- जन्म प्रमाण पत्र
- फोटो आईडेंटिफिकेशन प्रूफ
- वोटर आईडी कार्ड की छाया प्रति
- बीपीएल कार्ड की छाया प्रति

वोइस टू दिव्यांग

गुजरात विकलांग पेंशन योजना के अंतर्गत आवेदन करने की प्रक्रिया

- सर्वप्रथम आपको विकलांग पेंशन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।
- अब आपके सामने होम पेज खुलकर आएगा।
- इसके पश्चात आपको गुजरात विकलांग पेंशन के अंतर्गत आवेदन करे के विकल्प पर क्लिक करना होगा।
- अब आपके सामने एक नया पेज खुल कर आएगा।
- आपको इस पेज पर पूछी गई सभी महत्वपूर्ण जानकारी जैसे कि आपका नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी आईडी आदि दर्ज करना होगा।
- अब आपको सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपलोड करना होगा।
- इसके पश्चात आपको सबमिट के विकल्प पर क्लिक करना होगा।
- इस प्रकार आप गुजरात विकलांग पेंशन के अंतर्गत आवेदन कर सकेंगे।

वोइस टू दिव्यांग

हड्डियां जितनी कमजोर, हौसला उतना मजबूत

जन्म के बाद माता-पिता को उस बच्चे को गोद में लेने के लिए भी करीब **6 महीनों** तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि उसके शरीर में **40 फ्रैक्चर** थे। डॉक्टरों ने कहा था कि यह बच्चा दो दिन से ज्यादा जिंदा नहीं रहेगा, लेकिन आज स्पर्श न सिर्फ जिंदा है, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा भी है। अब **15 साल** के हो चुके उस बच्चे स्पर्श के शरीर में अब तक **135 फ्रैक्चर** हो चुके हैं और **8-9 सर्जरी** हो चुकी हैं। बावजूद इसके स्पर्श न सिर्फ बहुत अच्छा गाना गाते हैं, म्यूजिक कंपोज करते हैं बल्कि मोटिवेशन स्पीकर भी हैं। जी हां, वीलचेयर पर रहनेवाले स्पर्श अपनी बातों से दूसरों को जिंदगी जीने की सही राह दिखाते हैं। वह अब तक **6 देशों** में **125** लाइव परफॉर्मेंस दे चुके हैं और कुल **7** सिंगिंग कॉम्पिटिशन जीत चुके हैं। वह यूनाइटेड नेशंस, गूगल, टेडएक्स गेटवे, गोवा फेस्ट, एनबीए के बड़े इवेंट में शो भी कर चुके हैं। स्पर्श को ग्लोबल इंडियन अवॉर्ड, चैंपियन ऑफ होप, स्पेशल अचीवर्स अवॉर्ड, इंस्पिरेशन अवॉर्ड ऑफ एक्सिलेंस, मोस्ट इंस्पायरिंग इंडीविजुअल अवॉर्ड जैसे ढेरों पुरस्कार मिल चुके हैं।

स्पर्श अब न्यू यॉर्क में रहते हैं। वह मूल रूप से गुजरात के सूरत के निवासी हैं। स्पर्श ऑर्टियाजिनेसिस इम्परफेक्टा बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें हल्के-से झटके या फिर जोर से हाथ मिलाने भर से भी हड्डियां टूट जाती हैं। स्पर्श के हाथों में **30** और पैरों में **60 फ्रैक्चर** हैं। यही वजह है कि उन्हें बिस्तर या वीलचेयर पर रहना पड़ता है। पिता हिरेन शाह कहते हैं कि जन्म के समय स्पर्श के शरीर में **40 फ्रैक्चर** थे। जन्म के बाद पूरे एक साल उनकी नाक में ट्यूब लगाकर रखनी पड़ी थी क्योंकि वह कुछ भी निगल नहीं पाते थे। वह तीन साल तक हाथ में पेंसिल नहीं पकड़ पाते थे। हीरेन बताते हैं, 'यह सब देखकर मैंने भगवान से पूछा कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों? लेकिन स्पर्श ने अपनी मेहनत और कोशिशों से आज जो जगह बनाई है, उसे देखकर मैं भगवान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उसने स्पर्श को हमारे घर भेजा। स्पर्श नाम रखने के पीछे भी एक कहानी है। यों तो यह नाम उसके जन्म से पहले ही सोच लिया था, लेकिन यह नाम बहुत स्पेशल साबित हुआ क्योंकि शुरुआत में हम उसे सिर्फ स्पर्श

वोइस टू दिव्यांग

स्पर्श शुरू से ही होनहार थे। उन्होंने तीन साल की उम्र से ही की-बोर्ड सीखना और किताबें पढ़ना शुरू कर दिया था। लेकिन की-बोर्ड बजाने से भी स्पर्श को फ्रैक्चर हो गया तो इसे छोड़ना पड़ा, लेकिन संगीत से लगाव कम नहीं हुआ। उन्होंने गाना शुरू कर दिया। पैरंट्स ने भी पूरा साथ दिया और धीरे-धीरे स्पर्श ने स्टेज शो करने शुरू कर दिए। स्टेज शो से होने वाली कमाई को वह अलग-अलग संस्थाओं को दान कर देते हैं। स्पर्श उर्फ प्योर रिदम (पेन नेम) ने अभी तक कुल 30 गीत लिखे हैं और ज्यादातर का म्यूजिक भी उन्होंने खुद ही तैयार किया है। बहुत-सी कविताएं और शॉर्ट स्टोरी भी लिखी हैं। वह पिछले 9 बरसों से भारतीय शास्त्रीय संगीत और 4 बरसों से अमेरिकन वोकल म्यूजिक सीख रहे हैं।

स्पर्श के पिता न्यू यॉर्क सिटी में एक फाइनैंशल सर्विसेज कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफिस के हेड हैं। मां जिगिशा भी एक फाइनैंस कंपनी में असोसिएट डायरेक्टर हैं। मां स्पर्श को म्यूजिक में गाइड करती हैं जबकि पिता दुनिया भर में उनके कार्यक्रमों का जिम्मा संभालते हैं। छोटे भाई अनुज को स्पर्श पापा-मम्मी का दिया बेस्ट गिफ्ट मानते हैं। स्पर्श को अनुज के साथ विडियो गेम्स और चेस खेलना बहुत पसंद है। 15 साल के स्पर्श खुद को 'आयरन मैन' कहते हैं क्योंकि शरीर में 8 रॉड और 22 स्क्रू जो लगे हैं। 'आयरन मैन' कहें या 'सुपर मैन', यह सच है कि स्पर्श उन लाखों के लिए एक प्रेरणा हैं जो किसी न किसी वजह से शारीरिक रूप से मजबूर हैं और जिंदगी से खुद को हारा हुआ मानते हैं।

गायत्री विकलांग मानव मंडल द्वारा दिनांक 10-12-2022 के दिन विश्व विकलांग दिन महोत्सव का आयोजन

गायत्री विकलांग मानव मंडल संस्थान के प्रांगण में विश्व विकलांग दिन का उत्साह के साथ आयोजन किया गया जिसमें गुजरात के कोने कोने से उपस्थित दिव्यांग भाई बहनों का श्रेष्ठ दिव्यांग रत्न अवोर्ड से सन्मान किया गया। इसकोन मंदिर गोत्री के स्वामी श्री प्रभुजी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित थे । स्वामी श्री प्रभुने अपने अनोखे अंदाज में राधे क्रिष्ना धून गाकर उपस्थित सभी लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया था । सारे वातावरण मनमोहक हो गया और उपस्थित सभी लोग धून के असर में नृत्य करने लगे थे । महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यरत राजकोट की श्रीमती इलाबेन दोशी का भी इस कार्यक्रम में मोमेन्टो से स्वागत किया गया था ।इस कार्यक्रम में उपस्थित शक्ति ट्रस्ट के प्रमुख विनुदादा का शाल और मोमेन्टो से सन्मान और स्वागत किया गया था । फिजिकल हेन्डिकेप ते प्रमुख श्री नरेन्द्रभाई पटेल एवं विल चेर क्रिकेट नेशनल एवोर्ड से सन्मानित मनिषभाई पटेल ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सभी दिव्यांग लोगों का हौसला बढाया और उनके उत्साह में वृद्धि की थी।

संस्था के ट्रस्टी श्री प्रकाशभाई गीगल एवं जयभाई गीगल ने सभी के लिए प्रसाद का आयोजन किया था । जयभाई गीगल ने तो सेवा में भी अपना योगदान दिया था । पूरे कार्यक्रम में रुक्ष्मणीबेन शाह एवं ट्रस्ट के अन्य सभी ट्रस्टीओं का सहयोग प्राप्त हुआ था । रुक्ष्मणीबेन शाह ने दिव्यांगभाई बहनों द्वारा किये गये अच्छे कार्यों की सराहना करते हुए कहा था कि उनकी शारीरिक मर्यादाओं के बाद भी समाज में अपना योगदान दे रहे हैं यह बहुत बड़ी उपलब्धि है । उन्होंने संस्था और दिव्यांग भाई बहनों के सहयोग के लिए अन्य लोगों को भी आहवान किया था । दिव्यांग होने के बाद भी अपनी मर्यादाओं के बंधन तोडकर अच्छे काम करने वाले दिव्यांग भाई बहनों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अन्य सभी लोगों को भी इनसे प्रेरणा लेकर अपना योगदान देना चाहिए ।

कार्यक्रम में दिव्यांग भाई बहनों का उत्साह बढ़ाने के लिए टी शर्ट और ड्रेस का वितरण किया गया था । वृद्ध एवं निराधार महिलाओं को साडी दी गई थी । दानवीर दाताओं के सहयोग से सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी जिसमें दाल-चावल, पूरी, बूंदी, गांठिया और सलाद दिया गया था।एक बनेंगे एक बनेंग सब से पहले मेम्बर बनेंगे कार्यक्रम का लक्ष्य था कि समाज में जो दिव्यांग लोग स्वयं को लाचार समझते हैं उनको समर्थ बनाकर आत्मनिर्भर बनाना है । समाज के दिव्यांग भाई बहनों के लिए समाज के समर्थ लोग अपना योगदान दे और उनके उद्धार के लिए आगे आए । ऐसे कार्यक्रमों से दिव्यांग भाई बहनों के उत्साह में वृद्धि होती है साथ ही समाज के विभिन्न लोग उनकी सहायता के लिए आगे आकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अपना सहयोग देते हैं । इस कार्यक्रम के माध्यम से भी लोग अपना योगदान देंगे ऐसी अपेक्षा है ।

इस कार्यक्रम में मेरोथोन संचालिका श्रीमती मंजुलाबेन कौशल और प्रेरणा कॉलेज के छात्रों ने दिव्यांगों की सेवा में अपना पूरा योगदान दिया था ।पूरे कार्यक्रम में पटेल भाणाभाई एवं रंजनबेन गोहेल तथा खोखरभाई ने उद्घोषक के रुप में सराहनीय कार्य किया था ।

दिव्यांगजनों के लिए जयपुर फूट (कृत्रिम पैर) एवं केलीपर्स की निःशुल्क जांच और आबंटन केम्प का आयोजन 16 अटूबर से 20 अक्टूबर तक धोलका में आयोजन किया गया

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (जयपुर फूट सेन्टर-अहमदाबाद) और न्यु वे एज्युकेशन एन्ड रूरल डेवलपमेन्ट ट्रेस्ट संचालित फ्रिडम डे केर के संयुक्त उपक्रम से धोलका तहसिल के किसी भी दिव्यांग व्यक्ति के लिए निःशुल्क कृत्रिम पैर और केलीपर्स की सहायता देने के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । कार्यक्रम का आयोजन विश्वकर्मा समाजवाडी, गायत्री मंदिर के सामने, कलिकुंड धोलका में पांच दिन तक किया गया था । कार्यक्रम का प्रारंभ दिप प्रागट्य कर के किया गया था । साथ ही एम्ब्युलन्स का रिबन काटकर उसे भी लोगों की सेवा में रखा गया था । पूरे कार्यक्रम में चीमनभाई पटेल, अरविंदभाई ठाकोर, हरीशभाई परमार, मार्गेश मोदी, दीपकभाई शाह, कमलेशभाई पंचाल एवं प्रणवभाई शाह अतिथि के रुप में उपस्थित थे ।फ्रिडम डे केर के प्रमुख श्री भाविनभाई परमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महमानों, लाभार्थी और डोक्टर की टीम का आभार व्यक्त किया था ।

धोलका में दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ लगाने के केम्प का आयोजन हुआ

न्यु वे एज्युकेशन और रुरल डेवलपमेन्ट ट्रस्ट संचालित फ्रिडम डे केर सेन्टर धोलका और रोटरी क्लब ऑफ राधनपुर के संयुक्त उपक्रम से इनाली फाउन्डेशन-पुना के सहयोग से विश्वकर्मा समाज वाडी धोलका में शनिवार के दिन दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ लगाने के केम्प का सफल आयोजन हुआ. इस केम्प में 44 लाभार्थीयों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ लगाये गये.

कार्यक्रम में धोलका के विधायक श्री किरीटसिंह डाभी एवं अन्य अग्रणी श्री जे.जे.परमार, चीमनभाई पटेल, और अहमदाबाद स्थित श्री ओमकार फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री मिहिरभाई शाह अतिथि के रुप में उपस्थित रहे.

कार्यक्रम में लाभार्थीयो के लिए अल्पाहार और भोजन की भी व्यवस्था की गई थी. रोटरी राधनपुर के जोइन्ट सेक्रेटरी महेश राठोड और फ्रिडम डे केर सेन्टर धोलका के प्रमुख भाविन परमार ने इस संपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया था. साथ ही इनाली फाउन्डेशन पुना के प्रदीपभाई और हेमंतभाई ने भी अपनी टीम के साथ सहयोग प्रदान किया था.

वोइस टू दिव्यांग

વિનામૂલ્યે કૃત્રિમ હાથ
કેમ્પ

વિનામૂલ્યે કૃત્રિમ હાથ ના
કેમ્પ

ઇનાલી ફાઉન્ડેશન - પુના ના સહયોગથી

ઇનાલી ફાઉન્ડેશન - પુના ના સહયોગથી
કેમ્પ

साल 2021 का राज्य पारितोषिक

सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत दिवायंग श्रेष्ठ कर्मचारी का सन्मान श्रीमती झरणा हितेशकुमार व्यास को श्रम रोजगार मंत्री श्री ब्रिजेश कुमार के हाथों से दिया गया ।

स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट के बच्चोंने मनाया पिकनिक

अखबारनगर नवा वाडज स्थित स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट के मनो दिव्यांग बच्चों को नल सरोवर के पास वरुण , रीसोर्ट में वन डे पिकनीक पर ले जाया गया था. सुबह में बच्चों को ब्रेकफास्ट, लंच और शाम को नींबु पानी दिया गया.

रीसोर्ट में विभिन्न राउड्स, कगडोल, कराट, जादुगर, कोलंबस, ऊंटगाडी, ट्रेकटर ट्रेन का सफर करवाया. बच्चोंने बहुत उत्साह से म्युजिक डान्स किया थाय इस वन डे पिकनीक से सभी मनो दिव्यांग बच्चें बहुत खुश हो गये. बच्चों के लिए आयोजित इस वन डे पिकनिक के बारे में स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट के संचालक श्री चंद्रसिंहजी डी चौहान ने जानकारी दी.

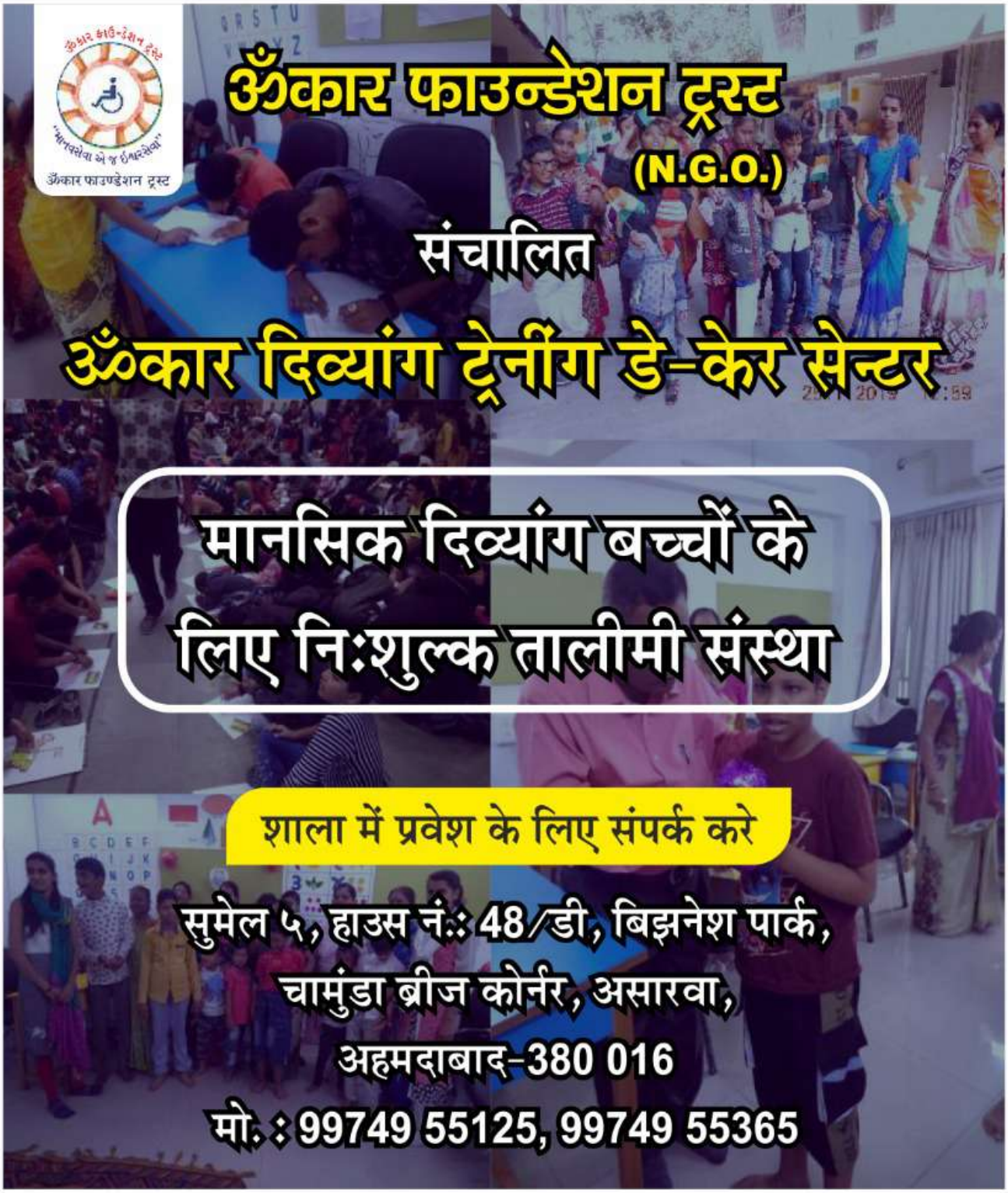
ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट
(N.G.O.)
संचालित
ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर
मानसिक दिव्यांग बच्चों के
लिए नि:शुल्क तालीमी संस्था
शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करे
सुमेल ५, हाउस नं.: 48/डी, बिझनेश पार्क,
चामुंडा ब्रीज कोर्नर, असारवा,
अहमदाबाद-380 016
मो. : 99749 55125, 99749 55365